Regarding illegal sand mining in some districts of Central Bihar

श्री सुदामा प्रसाद **(**आरा**) :** सभापति महोदय, हमारे भोजपुर जिले में सोन नदी के किनारे, हालांकि सिर्फ हमारे जिले में ही नहीं, बल्कि मध्य बिहार के पांच-छह जिलों में दोनों तरफ का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है । अवैध खनन से नदी का मूल स्वरूप बिगड़ गया है और पर्यावरण के लिए खतरा पैदा हो गया है । नदी के किनारे के गांवों के लिए पीने का पानी खत्म हो गया है । हमारे मजदूर भाई वहां पर काम करते थे, उन्होंने अपनी मजदूरी बढ़ाने के लिए वहां पर आंदोलन भी किया था कि उनकी प्रति ट्रक मजदूरी 500 रुपये की जाए ।

सभापति महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि उनकी मांग मानने की बजाय उन पर केस कर दिया गया इसलिए मेरी मांग है कि 22 लोगों पर जो केस हुआ है, वह वापस लिया जाए और उनकी मजदूरी प्रति ट्रक 500 रुपये की जाए । इसके साथ ही अवैध बालू खनन पर रोक लगे ।

सभापति महोदय, इसके अलावा मेरी एक और मांग है कि बालू खनन के राजस्व से डीएम फंड में जो पैसा जमा होता है, उस पैसे को स्थानीय लोगों के विकास में खर्च किया जाए ।